RJ-05

December - Examination 2018

B.A. Pt. III Examination

प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य (काव्य तथा गद्य)

Paper - RJ-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : औ पेपर तीन खण्डां में बंट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में निबन्धात्मक सवाल दियोड़ा है।

खण्ड – 'अ' **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्ड रा सगळा सवालां रौ पडूत्तर देणौ जरूरी है। सबद सीमा अेक सबद, अंक वाक्य अर घणखरां तीस सबद है। हरेक सवाल 2 अंक रौ है।

1) (i) कान्हड़दे प्रबंध रचना रै रचनाकार रौ नाम बतावौ।

(ii) ओपा आढ़ा रै गुरु रौ नाम बतावौ।

(iii) साँया जी झूला कृत रचना 'नागदमण' में कुल कितरा पद्य है?

(iv) 'हरख' सबद रौ सबदार्थ बतावौ।

(v) 'क्रिसन–रुकमणी री वेलि' रचना में प्रयुक्त प्रमुख छंद रौ नाम बतावौ।

(vi) 'दयालदास री ख्यात' में कुणसा (कठारा) राजघराणा रै इतिहास रौ बरणाव है?

(vii) प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी गद्य री कोई चार विधावां रा नाम लिखौ।

(viii) रतना खाती रौ 'नरसी जी रौ माहेरो' रचना कुणसी शैली में लिखीजी है?

(ix) आचार्य रामचंद्र शुक्ल गद्य री कसौटी किण विधाने मानै?

(x) कहाणी रै संवाद तत्व री एक विसेसता बतावौ।

खण्ड – ब **4 × 10 = 40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : नीचै लिख्योड़ा सवालां मांय सूं कोई चार सवाल करणा है। सबद सीमा 200 सबद है। हरेक सवाल 10 अंक रौ है।

2) मीराँ बाई री भगती साधना माथै खरीकी टीप लिखौ।

3) प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी काव्य–युगीन सामाजिक अर सांस्कृतिक परिस्थितियां रौ बरणाव करौ।

4) कवि मेहाजी री रामायण रै पात्रां माथै जैन संप्रदाय रौ असर किणतरै दीसै? समझावौ।

5) कवयित्री राणी रुपांदे री सामाजिक देन री विरोळ करौ।

6) 'वेलि' काव्य परंपरा नै समझावौ।

7) 'डायरी' विधा री विसेसतावां बतावौ।

8) हेमरतन सूरिकृत 'गोरा बादल चरित्र चौपाई' माथै सारगरभित टिप्पणी लिखौ।

9) 'सिलोका' विधा नै उदाहरणां साथै समझावौ।

खण्ड – स **2 × 20 = 40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : नीचै लिख्योड़ा सवालां मांय सूं किणी दोय सवालां रौ पडूत्तर दिरावो, सबद सीमा ५00 सबद है। हरेक सवाल 20 अंक रौ है।

10) 'क्रिसन रुकमणी री वेलि' रचना रै कलापख अर भावपख री उदाहरणां साथै सांगोपांग विरोळ करौ।

11) चारण रौली रै काव्य री विसेसतावां बखाणौ।

12) राजस्थानी मासा री आधुनिक गद्य विधावां माथै एक सांतरौ लेख लिखौ।

13) लौकिक शैली री प्रमुख रचनावां अर वां रै रचनाकारां नै विस्तार सूं समझावौ।